

ont>

Title: Regarding atrocities on a boy of a residential public school at Ranchi.

**श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर)** : अध्यक्ष जी, मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूँ कि आपने मुझे एक गंभीर विषय पर बोलने का मौका दिया जिसके लिए मैं दो दिन से नोटिस दे रहा हूँ।

झारखंड के रांची में एक पब्लिक स्कूल है कारमल रेज़िडेंशियल स्कूल।

वहां शुभम नाम के एक लड़के को मार-मार कर इसलिए घायल कर दिया कि वह आपस में हिन्दी में बात कर रहा था। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, मैं प्रेस की कटिंग पढ़ कर आपको सुनाता हूँ। शुभम ने पुलिस को दिए गए बयान में कहा कि वह उस दिन अपने कुछ दोस्तों से हिन्दी में बात कर रहा था, उसकी बात को सुन कर होस्टल के वार्डन और कुछ शिक्षक वहां पहुंच गए। शिक्षक के आते ही उनके दोस्तों ने अंग्रेजी में बात करना शुरू कर दिया, लेकिन वह हिन्दी में ही बोलता रहा। इस पर शिक्षक ने उसकी डंडे से पिटाई करनी शुरू कर दी और बाद में उसे स्कूल के कंकरीले परिसर में घुटने के बल चलने के लिए मजबूर किया। जब उसके घुटने से खून बहने लगा तब भी उन्हें उस पर दया नहीं आई और शिक्षक ने उसे सीढ़ी पर घुटने के बल चढ़ने को कहा। (व्यवधान) जब उसकी तबीयत तेजी से बिगड़ने लगी तो स्कूल के प्रबंधक और प्राचार्य के हस्तक्षेप से मामले को सुलझाया गया। (व्यवधान) उसके बाद लड़कों ने स्कूल में जाना बंद कर दिया। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, प्रधानमंत्री जी एक तरफ बार-बार हिन्दी और राष्ट्रभाषा के प्रोत्साहन की बात कर रहे हैं और दूसरी तरफ जो अंग्रेजी संस्कृति चली है, जिसमें अंग्रेजी स्कूलों का भयंकर तरीके से विकास हो रहा है। स्कूल तथा क्लास में ही नहीं बल्कि अपने साथियों के बीच में हिन्दी में बात करने से उसकी पिटाई की गई और उसे घायल किया गया। महोदय, क्या इस देश में गरीब के बच्चे को अपनी मातृभाषा में पढ़ने का अधिकार है या नहीं? मैं समझता हूँ कि इससे ज्यादा राष्ट्रभाषा का अपमान नहीं हो सकता है। महोदय, यह बहुत सीरियस मामला है, इसलिए आपका इस पर आब्जर्वेशन होना चाहिए। सरकार को इस संबंध में इंकवायरी करवानी चाहिए और उसके लिए जो भी दोगी हो, पब्लिक स्कूल कोई कांस्टीट्यूशन से बाहर नहीं है, इसका नाम है पब्लिक स्कूल और काम है इलिट का।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ, हम लोग शुरू से ही इस भाषा के पक्षधर रहे हैं। हमने अंग्रेजी का कभी विरोध नहीं किया है। (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय** : यह गंभीर बात है और राष्ट्रभाषा की बात है, इसलिए मैं मंत्री जी को कहूंगा कि आप इस पर स्टेटमेंट दीजिए।

(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय** : मैं मंत्री जी को यहां आने के लिए कहूंगा।

(व्यवधान)

**श्री राम विलास पासवान** : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी हमें कम से कम इस संबंध में चिट्ठी लिख दिया करें।... (व्यवधान)

**श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद)** : अध्यक्ष महोदय, अलीगढ़ युनिवर्सिटी का मामला बहुत महत्वपूर्ण है। (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय** : सुमन जी, मैंने निवेदन किया है, आप जानते हैं।

(व्यवधान)

**श्री रामजीलाल सुमन** : महोदय, यह बहुत महत्वपूर्ण मामला है। (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय** : इसीलिए मैंने शुरुआत में आपको बोलने की इजाजत दी थी।

(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय** : आप क्या चाहते हैं, मैं इस पर क्या करूँ?

(व्यवधान)

**श्री रामजीलाल सुमन** : अध्यक्ष महोदय, मेरे पास यह सर्कुलर है। (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय** : कृपया आप बैठ जाइए।

(व्यवधान)